तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विद्यालय पत्रिका-2025-26

जीवनधारा

KENDRIYA VIDYALAYA SECL DHANPURI

केंद्रीय विद्यालय एस.ई.सी.एल,धनपुरी





विद्यालय–पत्रिका

सम्पादक–मंडलमुख्य -संरक्षक

1.	श्री दिग्गराज मीना	उपायुक्त के.वि.सं जबलपुर संभाग

संरक्षक

	श्री हीरा लाल	सहायक आयुक्त के.वि.सं जबलपुर संभाग
1.	श्रीमती किरण शर्मा	सहायक आयुक्त के.वि.सं जबलपुर संभाग
2.	डॉ (श्रीमती) सरोज डबास	सहायक आयुक्त के.वि.सं जबलपुर संभाग

1.	श्री बी.के. जेना	महाप्रबंधक एस.ई.सी.एल. सोहागपुर क्षेत्र एवं अध्यक्ष वि.प्र.स केन्द्रीय विद्यालय एस. ई. सी. एल. धनपुरी
2.	श्री योगेश कुमार गुप्ता	प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय एस.ई.सी.एल. धनपुरी

हिन्दी /संस्कृत - विभाग

क्र.सं	नाम	पद
1.	श्री जानकी शरण मिश्रा	स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी
2.	श्री अनिल कुमार मीना	प्र.स्नातक शिक्षक हिन्दी
3.	श्रीमती सरिता सिंह	प्राथमिक शिक्षक

अंग्रेजी - विभाग

क्र.सं	नाम	पद
1.	श्रीमती नीलम चौरे	स्नातकोत्तर शिक्षकअंग्रेजी
2.	सुश्री आरती	प्र.स्नातक शिक्षक अंग्रेजी
3.	सुश्री गरिमा	प्र.स्नातक शिक्षक अंग्रेजी
4.	श्री प्रवीण कुमार यादव	प्राथमिक शिक्षक

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

संस्कृत - विभाग

क्र.सं	नाम	पद
1.	श्रीमती गंगोत्री	प्र.स्नातक शिक्षक संस्कृत

तकनीकी - टीम

क्र.सं	नाम	पद
1.	श्री जयदीप परसाई	स्नातकोत्तर शिक्षक संगणक
2.	श्रीमती माधुरी गर्ग	संगणक अनुदेशक

ALL STAFF OF KV SECL DHANPURI

S NO.	NAME OF THE EMPLOYEE	DESIGNATION
1	SHRI YOGESH KUMAR GUPTA श्री योगेश कुमार गुप्ता	PRINCIPAL प्राचार्य
2	SHRI JAIDEEP PARSAI श्री जयदीप परसाई	PGT C.S पीजीटी संगणक
3	SMT. NEELAM CHOURE श्रीमती नीलम चौरे	PGT ENG पीजीटी अंग्रेजी
4	SHRI ANIL KUMAR TAMRAKAR श्री अनिल कुमार ताम्रकार	PGT MATHS पीजीटी गणित
5	SH. GHYANANDER SINGH श्री ज्ञानेंद्र सिंह	PGT PHYSICS पीजीटी भौतिक
6	SMT. SHAILZA श्रीमती शैलजा	PGT BIO पीजीटी जीव विज्ञान
7	SHRI NAUSHAD ALI श्री नौशाद अली	TGT SST टीजीटी सामाजिक
8	SHRI DINESH CHANDRA CHOURE श्री दिनेश चन्द्र चौरे	TGT MATHS टीजीटी गणित
9	SMT. SHABANA SHAHIN KHAN श्रीमती शबाना शाहिन खान	TGT SCI टीजीटी विज्ञान
10	SHRI AMBUJ KUMAR DUBEY श्री अम्बुज कुमार दुबे	TGT WET टीजीटी कार्यानुभव
11	SHRI MITHLESH NISHAD श्री मिथलेश निषाद	TGT ARTS टीजीटी कला
12	SH. ASHVANEE CHAURASIYA श्री अश्वनी चौरसिया	TGT HINDI टीजीटी हिंदी
13	KUMARI ARTI कुमारी आरती	TGT ENGLISH टीजीटी अंग्रेजी
14	SHRI VICKY KUMAR श्री विक्की कुमार	LIBRARIAN पुस्तकालयाध्यक्ष
15	SHRI ANIL KUMAR MEENA श्री अनिल कुमार मीना	TGT HINDI टीजीटी हिंदी
16	SMT. MANISHA BHATTACHARYA श्रीमती मनीषा भट्टाचार्य	HM मु. अध्यापिका
17	SMT. SARITA SINGH श्रीमती सरिता सिंह	PRT प्रा. शि.
18	SHRI RAJ KUMAR SAHU श्री राज कुमार साहू	PRT MUSIC प्रा. शि. संगीत
19	SHRI SHREE NARAYAN KOL श्री श्री नारायण कोल	PRT प्रा. शि.
20	SHRI PRAVIN KUMAR YADAV श्री प्रवीन कुमार यादव	PRT प्रा. शि.
21	KUMARI POONAM THAKUR कुमारी पूनम ठाकुर	PRT प्रा. शि.
22	[illegible]	[illegible]

23	SMT. SUSHILA श्रीमती सुशीला	PRT प्रा. शि.
24	KUMARI SHREYA PANDEY कुमारी श्रेया पाण्डेय	PRT प्रा. शि.
25	KUMARI SONAM कुमारी सोनम	PRT प्रा. शि.
26	KUMARI SHEELU कुमारी शीलू	PRT प्रा. शि.
27	SHRI PRAYAS RAIKWAR श्री प्रयास रैकवार	SSA वरि. सचि. सहायक
28	SHRI SUNNY CHAUHAN श्री सन्नी चौहान	JSA कनि.सचि.सहायक
29	SHRI SAMPAT LAL SAHU श्री संपत लाल साहू	SUB STAFF सब स्टाफ
30	SHRI RAJENDRA PRASAD श्री राजेंद्र प्रसाद	SUB STAFF सब स्टाफ
31	SHRI BHAGWAT PRASAD श्री भगवत प्रसाद	SUB STAFF सबस्टाफ

KVD CONTRACTUAL TEACHERS

1	KU. RADHA YADAV	PGT CHEM
2	SHREE JANKI SHARAN MISHRA	PGT HINDI
3	SMT.GANGOTRI	TGT SANSKRIT
4	SMT. SHEENU MISHRA	TGT SST
5	SMT.RANI RANGELA	TGT MATH
6	SMT. GURJEET KOUR	PRT
7	SMT.SAPNA KORI	BALVATIKA
8	KU.SURUCHI	BALVATIKA
9	SMT.MADHURI GARG	COMP. INST
10	KU.DEEKSHA MISHRA	YOGA
11	SMT. SANIYA MIRZA	NURSE
12	SHREE AJAY PRATAP SINGH	SPORTS COACH
13	KU. JAYA SAHU	SPL ED.
14	SHREE SHRIKANT YADAV	PRT



संदेश

मुझे यह जानकार अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय एस. ई.सी. एल.धनपुरी द्वारा विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है | विद्यालय पत्रिका द्वारा विद्यालय की प्रगति प्रतिबिम्बित होती है |आशान्वित हूँ कि विद्यालय अपनी पूर्वोपल्ब्धियों में उत्तरोत्तर वृद्धि करेगा |मेरा विचार है कि शैक्षणिक कुशलता मात्र पुस्तकीय ज्ञान द्वारा प्राप्त नही होती अपितु विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करके ही उन्हें कुशल बना सकते हैं जिससे वे वैश्विक भविष्य हेतु तैयार हो सके | विद्यालय पत्रिका में बाललेखक अपनी लेखन रुपी नव कलाकृतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय देते हैं | इससे विद्यार्थियों के मन में चिन्तन शक्ति तथा सृजनात्मक शक्ति का विकास होता है |विद्यालय पत्रिका इस वर्ष की उपलब्धियों का स्मरण करायेगी | अंत में मैं विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों प्राचार्य ,शिक्षकवृन्द तथा विद्यार्थी वर्ग को धन्यवाद देता हूँ साथ ही पत्रिका के प्रकाशन के लिए शुभ कामनाएँ प्रेषित करता हूँ |

श्री बी . के . जेना
महाप्रबन्धक
एस.ई.सी.एल. सोहागपुर क्षेत्र एवं
अध्यक्ष विद्यालय प्रबन्धन समिति
केन्द्रीय विद्यालय एस. ई. सी. एल. धनपुरी



संदेश

मेरे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय एस .ई.सी.एल धनपुरी द्वारा सत्र 2024-25 द्वारा विद्यालय-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।विद्यालय पत्रिका बाल-मन में स्थित मौलिक तथा नवोन्मेष रचनात्मक प्रवृत्ति कोप्रस्फुटित ,पल्लवित और पुष्पित करने के लिए उचित अवसर प्रदान करने का एक माध्यम है ।नवोदित बाल- अंतर्मन की कलम से निसृत कहानी ,कविता ,पहेली आदि पत्रिका में संयोजित होकर सुखद आनन्द की अनुभूति कराता है।विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की मौलिकता प्रदर्शित करने का एक आयाम है । नौनिहालों के भविष्य को संवारना और उनकी अंतर्निहित क्षमताओं को तराशकर मूर्त रूप प्रदान करना हमारा अभिप्रेत है । प्रत्येक विद्यार्थी में किसी न किसी प्रकार की सृजनात्मक क्षमता अवश्य होती है । विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके अंतर्मन में छिपी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का अनुकूल वातावरण प्रदान करती है । आशा है यह पत्रिका विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं उनके मनोभावों को प्रस्फुटित करने में सहायक सिद्ध होगी ।मैं पत्रिका के प्रकाशन के लिए विद्यालय के प्राचार्य ,शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ संप्रेषित करता हूँ ।

श्री दिग्गराज मीना
उपायुक्त
के.वि.सं. क्षे.का.जबलपुर



संदेश

मुझे यह जानकार अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि केन्द्रीय विद्यालय एस. ई.सी. एल. धनपुरी द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए विद्यालय की पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है | विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का माध्यम है ,यह विद्यार्थियों को अपने विचार और चिंतन साझा करने का एक मंच प्रदान करती है | यह सृजनकार को अपनी भावाभिव्यक्ति के लिए उचित अवसर प्राप्त कराती है | यह नवांकुरों को प्रच्छन्न से अप्रच्छन्न कर मूर्त रूप देती है |पत्रिका विद्यार्थियों की आंतरिक प्रतिभा को निखारने की परिचायिका होती है , साहित्यिक सृजनशीलता को रेखांकित करती है ,ज्ञानवर्धक तथा रचनात्मक भाव सृजित करती है |बच्चों का सर्वांगीण विकास ,सुनियोजित पाठ्यक्रम और शैक्षणिक क्रिया कलापों के माध्यम से तैयार किया जाता है | पत्रिका के प्रकाशन से छात्रों में निहित सृजनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आ सकेगी तथा इन्ही बाल कलाकारों में से भविष्य में अच्छे लेखक एवं कवि के रूपमें अपनी पहचान बनाने में सफल होंगे |विद्यालय के प्राचार्य ,शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को विद्यालय पत्रिका के लिए प्रकाशन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ I

श्री हीरा लाल
सहायक आयुक्त
के.वि.सं. जबलपुर



संदेश

विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन किया जाना अत्यंत हर्ष का विषय है | विद्यालय की पत्रिका में विद्यालय के समस्त क्रिया –कलापों का संयोजन होता है | विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों के मन में छिपी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का अनुकूल वातावरण प्रदान करती है | जिस प्रकार साहित्य समाज का दर्पण होता है उसी तरह विद्यालय का दर्पण विद्यालय पत्रिका हुआ करती है | विद्यार्थियों के अंतर्मन में छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करना ,उन्हें तराशने और फिर समाजोपयोगी बनाने में शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच जो संवाद होता है ,विद्यालय पत्रिका उसमें सेतु की भूमिका का निर्वहन करती है | प्रतिस्पर्द्धा के इस युग में क्रियाशील एवं सृजनात्मक होना सफलता की प्रथम सीढ़ी है | प्रत्येक विद्यार्थी के अंदर किसी न किसी प्रकार की सृजनात्मक क्षमता होती है जिसे उजागर करने का कार्य विद्यालय पत्रिका करती है |आशा है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं उनके भावों को प्रस्फुटित करने में सहायक सिद्ध होगी | मैं पत्रिका के प्रकाशन के लिए विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों प्राचार्य ,शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ सम्प्रेषित करती हूँ |

श्रीमती किरण शर्मा
सहायक आयुक्त
के.वि.सं. जबलपुर



संदेश

मेरे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय एस .ई. सी.एल धनपुरी द्वारा विद्यालय-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है | विद्यालय की पत्रिका विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और उसमें निखार लाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम होती है | विद्यार्थियों में रचनात्मक प्रतिभा विकसित करने ,उन्हें कल्पना शील बनाने ,व्यक्तिगत चिन्तन को उन्नत करने के उद्देश्य से विद्यालय पत्रिका के माध्यम से उन्हें रचनात्मक मंच प्रदान किया जाता है ताकि विद्यार्थियों में अलग-अलग क्षेत्रों में छिपी हुई सृजनशीलता प्रस्फुटित हो सके | सृजनात्मक साधना हेतु विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर विशिष्ट सोच के साथ लिखने की आदत डालनी चाहिए | इससे उनके मौलिक विचार सामने आते हैं ,उनकी तार्किक एवं विश्लेषण क्षमता में वृद्धि होती है मैं केन्द्रीय विद्यालय एस.ई.सी.एल धनपुरी के प्राचार्य ,शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए विद्यालय पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ | सुनहरे ,सुखद ,स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाओं के साथ |

डॉ. (श्रीमती) सरोज डबास
सहायक-आयुक्त
के.वि.सं. क्षे.का.जबलपुर



प्राचार्य की कलम से----------

"शिक्षा तथ्यों को सीखना नहीं, बल्कि मन को सोचने के लिए प्रशिक्षित करना है"-अल्बर्ट आइंस्टीन

मैं अत्यंत प्रसन्नता के साथ सत्र 2025-26 के लिए विद्यालय पत्रिका आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो लेखन के माध्यम से छात्रों की भावनाओं, विचारों और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों को आपके समक्ष प्रस्तुत करती है। स्कूली शिक्षा दुनिया के साथ पहला संपर्क है, आनंद, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, भय, समायोजन और साझाकरण | स्कूल केवल खुली जगहें, कक्षाएँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ या बड़े मैदान नहीं होते। असली संस्थान छात्रों और कर्मचारियों के हृदय में ही होता है। मैं उन सभी नवोदित लेखकों को बधाई देता हूँ जो विद्यालय पत्रिका के माध्यम से अपनी रचनात्मक रचनाएँ साझा करते हैं। मैं पूरे संपादकीय मंडल, कर्मचारियों, अभिभावकों और छात्रों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए भी बधाई देता हूँ।

शुभकामनाओं सहित !

श्री योगेश कुमार गुप्ता

प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय एस.ई.सी.एल,धनपुरी

EDITORIAL

Dear Readers,

It is with great joy and pride that we present to you the latest edition of our school magazine. This publication is more than just a collection of articles, poems, and photographs—it is a reflection of the vibrant spirit, creativity, and potential that lives within the walls of our school.

Throughout the year, our students and teachers have worked tirelessly to grow not just academically, but as individuals with values, dreams, and voices worth sharing. This magazine stands as a testament to that growth. From thought-provoking essays and creative stories to inspiring interviews and achievements, each page offers a glimpse into the heart of our school community.

We extend our sincere gratitude to our editorial team, student contributors, and faculty members who made this magazine possible. Your dedication and effort have helped shape this into something truly special.

As you turn the pages, we hope you feel inspired, connected, and proud to be a part of our school family.

Warm regards,

Neelam Choure
PGT English
KV SECL Dhanpuri





निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।

हिंदी विभाग







छात्र जीवन-एक यात्रा

सुबह की नींद से जंग है हमारी, पर मंजिल भी तो प्यारी हमारी। टीचर की बातें, दोस्ती की रेखा, हर लम्हा बनता जीवन की लेखा । जो आज बोया, वो कल उगाना है, इसी समय में भविष्य बनाना है। खेल का मैदान हो या लाइब्रेरी की शांति, हर जगह छिपी है ज्ञान की क्रांति। छात्र जीवन एक तपस्या है प्यारी, जिसमें छुपी है भविष्य की तैयारी। आज जो पसीना बहता है जमकर, कल वही नाम रोशन करेगा चमक कर तो मत डरो चुनौतियों से कभी, सपनों की उड़ान दो पंखों को अभी। यही समय है मेहनत करने का, हर असफलता से कुछ बनने का।

आख्या सिंह
आठवी-'अ'

(मुम्बई)

महाराष्ट्र की राजधानी और जिला

भारत के पश्चिमीतट स्थित मुम्बई (पूर्वनाम बुम्बई) , महाराष्ट्र की राजधानी है। इसकी अनुमानित जनसंख्या ३ करोड २९ लाख है, जो कि पहली सर्वाधिक आबादी वाली नगरी है| इसका गठन लावा निर्मित सात छोटे - छोटे द्वीपों द्वारा हुआ है (यह पुल दार प्रमुख भू-खंड के साथ जुड़ा हुआ है। मुम्बई बन्दरगाह भारत का सर्वश्रेष्ठ सामुद्रिक बन्दरगाह है।

नाम- गुलाम वारीस
आठवी-'अ'

सुविचार

साहस का मतलब है कि आप हार मानने से पहले एक बार और कोशिश करें। सुंदरता प्रमाणिकता नहीं है, आपका व्यवहार ही जीवन भर की वैधता है। सफलता उन्ही को मिलती है, जो इसके लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

अस्मिता

7- B

कविता

दोस्ती तेरी मेरे यार, मुझे जान से प्यारी है,
तेरा साथ रहे जीवन में, तो लगे जैसे सारी खुशियां हमारी है।
तेरी एक हंसी के लिए मेरे दोस्त,
तोड़ लाऊँ मैं आसमान से तारे भी, क्योकि तेरी खुशियो से ही ये दुनिया हमारी हैं।
मेरा दोस्त तू बहुत प्यारा है इसलिए तू मेरा यारा है।

दिव्यांश प्रताप सिंह
कक्षा - पांचवी –ब



रानी दुर्गावती

हमारे देश की एक शहीद वीरांगना.....

हर जगह सिर्फ वीरों की ही बातें होती है लेकिनआज मैं एक वीरांगना की कहानी सुनाने जा रही हूँ। रानी दुर्गावती बचपन से ही बहुत बलशाली, चतुर एवं हूर से भी ज्यादा सुन्दर थी। उनकी शादी गोंडवाना के राजा दलपत शाह से हुई थी। शादी के कुछ वर्ष बाद उनका एक पुत्र हुआ और एक बीमारी के कारण दलपत शाह की मौत हो गई| जब राज्य में कोई राजगद्दी संभालने वाला नहीं रहा, तब दुर्गावती को राजा का स्थान मिला। उनके मंत्री का नाम आधार सिंह था । वे बहुत नेक इंसान थे। वे रानी के हर एक दुविधा को उत्तर निकालते थे | रानी दुर्गावती ने हमेशा अपने प्रजा की सुरक्षा एवं सुविधाओं का ध्यान रखा, किन्तु सिर्फ मुगल राजा बादशाह अकबर की बात ठुकराने की वजह से उनकी राज्य पर हमला हुआ जिसमें बादशाह अकबर के मंत्री अशफ ख़ान ने रानी दुर्गावती पर हमला किया । रानी दुर्गावती के गर्दन से बहुत खून निकलने लगा उन्होंनें आधार सिंह से विनती की कि वे उनका अंत कर दें लेकिन आधार सिंह ने साफ मना कर दियाऔर दुर्गावती ने खुद की जान ले ली।

बोनेला उषालक्ष्मी

कक्षा -10 (A)



खबरी कौआ

कौआ करता है काँव-काँव लगता है कोई आएगा ?
पहले भी जब कौआ आया था,
मेहमान अपने संग लाया था
इस बार भी कोई आएगा?
संदेशा कौया लाया है कौआ करता है
काँव - काँव लगता है कोई आएगा ?
मेरे दादा जी कहते थे,
उनके दादा जी ने बताया था,
अतिथि के आने से पहले,
कौआ खबर ले आया था
मेहमानों की खातिरदारी में
परदादी ने हलवा बनाया था
कौआ करता है काँव-काँव
लगता है कोई आएगा?
समझ नहीं आता मुझको
कौआ कैसे जान जाता है?
मेंहमान के आने से पहले
कैसे हमे बताता है?
हो सकता है कौओं के,
पुरखों से ने उन्हें सिखाया हो?
सम्पर्क साधन के लिए,
कई बड़ा जाल बिछाया हो|
जो सदियों से चलता आया है,
और सदियों तक चलता जाएगा,
कौआ करता है काँव-काँव ,
लगता है कोई आएगा ?
लगता है कोई आएगा ?
और सदियों तक चलता जाएगा,
कौआ करता है काँव-काँव
लगता है कोई आएगा ?



साव्या चौरे

कक्षा- पांचवी(अ)

शिक्षा की जीत

आओ मिलकर आगे आएँ, शिक्षा की फिर ज्योत जलाएँ ।

सुबह-सबेरे सैर को जाएँ, मंजन करे मजे से नहाएँ । ईश्वर को हम दिया जलाए, बन - ठन कर विद्यालय जाएँ।

" पढ़-लिखकर हम नाम कमाएँ, शिक्षा को हम जग में फैलाएं। ज्ञान की राहों पर चलकर, भारत को फिर स्वर्ग बनाएँ ।,, आओ मिलकर आगे आएँ, शिक्षा की फिर ज्योत जलाएँ ।

! धन्यवाद !

रामांश द्विवेदी
कक्षा -8 (A)

मैं कर सकता हूँ!

हर सुबह एक मौका है नया हर गलती में छुपी है दिशा। मत डरो गिरने से यारों, हर पत्थर पे बनते है सितारे ।

कभी लगे रास्ता मुश्किल है, तो याद रखना, तुम भी खास हो। तुम्हारी कोशिशें बेकार नहीं, हर कोशिश में आस-पास हो । किताबें बोझ नहीं है, साथी हैं, जो तुम्हें उड़ना सिखाती है। हर पन्ना एक सीढ़ी है ऊपर की, जो मंजिल तक पहुंचाती हैं। अगर ठान लो तो कुछ भी संभव हैं, हर सपना भी अपना बन सकता है। बस मेहतन की लौ जलाए रखना, हर अंधेरा रौशनी में ढल सकता है। सफलता तुम्हें आवाज दे रही,

बस थोड़ा और, बस थोड़ा सही। तू थक मत, रूक मत, झुक मत, तू खुद पर यकीन रख, तू रूक मत !

अनुष्का कौशिक
कक्षा-8 (A)


ॐ
DEPARTMENT OF SANSKRIT
संस्कृतविभागः
Welcomes You
॥ स्वागतम् ॥


SANSKRIT

आदर्श छात्र:

अध्ययनं परमं तप उच्यते ।

छात्त जीवनमेव मानव जीवनस्य प्रभातवेला आधार शिता च वर्तते ।

यः छात्रः आलस्य व्यक्त्वा परिश्रमेण विद्याध्ययनं करोति स एक सफल्यं लभते ।समस्त जीवनस्य विकासस्य वा कारवम एतज्जीबनमेवास्ति कस्मैचित कालाय भ्रमपि उनवार्यम् ।व्स्तुतः विद्यार्थी जीवनं साधनामय जीवनम् । तदनन्तर च लघुसात्विक भोजनं दुग्धं च गृहित्वा विद्यालयं गन्तव्यम् ।छात्र जीवने परिश्रमस्य महती आवश्यकता वर्तते । छान्तेः असत्यवादन न कदापि कर्तव्यम् । अतएव छात्रैः प्रातः काले बह्ममुहुर्त एवं उत्थातव्यम् विद्यार्थी जीवने एवं समस्तानां मानवोचित गुणानां विकासो

भवति । सन्धे ततः प्रतिनिवृत्य स्नान सम्ध्योपासनादिक विद्याय अध्ययन कर्तव्यम्अतः छात्ताणां शारीरिक चारित्तिकं च विकाएं अत्यत्लानिर्वाम् तत्ल गत्वा गरून नत्वा अध्ययन कर्तुम् । अतः तेषा सम्यक रक्षण पोषणम च कर्तव्यम् । छात्त जीवन पूर्णतः अनुशासन बद्ध भवति। छात्त एव राष्ट्रस्यानुपमा निर्धारस्ति । विद्यार्थी जीवनमेव सम्पूर्णागमिजीवस्य आधारशिला अस्ति।

प्राची पटेल

कक्षा 10 (B)



आदर्श विद्यार्थी

आदर्शः छात्रः सदा ज्ञानस्य साधनाय प्रयत्नं करोति । सः गुरूणां वचनानि श्रद्धया शृणोति । गृहकार्य समये एव समाप्त करोति सः न केवलं पाठे उत्कृष्ट भवति, अपि तु आचरणे अपि श्रेष्ठः भवति । स्वच्छता. सः सत्यं वदति, अहिंसा पालयति, स्वच्छ्रता रक्षति । सर्वेषु सहपाठिषु सः मैत्री स्थापयति । सः क्रीडासु, गीताया, चित्रणकलेषु अपि भाग गृहीत्वा आत्मविश्वास वर्धयति । एवं छात्रः देशस्य गौख वर्धयति ।

अराध्या साहू

कक्षा -7 (A)

विद्यार्थिनां मनोनिग्रहः

विद्यार्थिनः पाठ्चे अधिक दवः अनुभवन्ति । परीक्षाणां कारणेन च चिन्ता वर्धते । किन्तु, मनः शान्तिं हेतु सरलानि उपायाः सन्ति ।

दीर्घ श्वसनं कुर्यात् ।गभीरं श्वसनं कृत्वा मनः शन्तिं लभेत । चिन्ता अपि नश्यति ।

लघु विश्वान्निं कुर्यात् ।अध्यानस्य मध्ये अल्पं कालं विश्रान्तिं दद्यात् । ततः पुनः पठितुं शान्तिं लभेत ।

आत्मविश्वास धारयेत् ।अहं शक्नोमि । अहं सफलो भविष्यामि । इति विचारं मनसि स्थापयेत् ।

स्वास्थ्य रक्षेत् ।यथेष्टं निद्रा आवश्यका । पौष्टिकं भोजनं च गृह्णीयात् । मित्रैः सह संवादं कुर्यात् ।मित्रैः सह हास्यं, खेलं च कृत्वा मनः हर्ष लभेत । विद्यार्थिनः । चिन्तां त्यक्त्वा बीमे पठतु । मनः प्रसन्नं च रक्षतु । एवमेव सफलः भविष्यसि ।

नामः - बोनेला उबालक्ष्मी

कक्षा:- दशम 'अ'

प्रकृतिः

प्रकृतिः माता सर्वेषाम् बहूनाम् अपि फलानाम् बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम् पुष्पाणाम् चापि मानेयम्। भ्रमराणा, पशूना, पक्षिणां च मानास्ति जनेभ्यः जीवनं सदा ददाति प्रकृतिः माता ।

अस्ति सा तु मनोहरी मानृणाम् अवि मानास्ति प्रकृतिः माना सर्वेषाम् नमोस्तु ने मात्र प्रकृत्यै ॥

पायल चतुर्वेदी

कक्षा -9 (A)

ध्यान गीतम

संरक्षितं भवतु मन्त्र दण्हणां दर्शनतत्वम् सम्भवतु बोधजन मनांसि ध्यानमहत्वम् ध्यानेन प्रलभतां सर्वत्र सर्वसन्मार्गम दिशि-दिशि रक्षणम्भवतु शुद्धभावनाअत्यानन्दं एवं बह्मानन्द- ध्यानं धारयति

बह्मानन्द परम शक्तेः एनं प्रजाप्रसाद बाबाशक्तेः

आनन्द प्रसादं शब्दस्पर्श रुपरसगन्धैः

गुम्फित खानिलाग्न्याम्बुभूमिभिः सम्पृक्तम

बह्मानन्द प्राप्नोतु सुखसमुदे तुरतु ब्रह्मानन्द प्राप्नोट

अक्षत सिंह

कक्षा -9 (A)




English
Department

Corruption Should Not Start From Home

By: Trisha Urmaliya IX-A

The pandemic redefined classrooms, bringing them into the heart of every household. As the nation grappled with lockdowns, online exams became the norm—an unexpected test not just for students, but for families too.

In many households, helping children sometimes took a questionable turn, blurring the lines between guidance and dishonesty. My artwork captures this moment: a young girl sits with her book while her mother assists. But is she empowering her child—or robbing her of the chance to try?

True education is more than marks—it's about integrity. If a child learns to cheat at home, the foundation of their character is compromised. The values we instill during uncertain times echo through generations. Let our homes be the birthplace of honesty, not the origin of corruption.

Off Track On Purpose

By: Srishti Singh, Class XI A

Oh—look, lost again.
Wrong turn? Maybe.
Or maybe I'm just not built for straight lines.

They look certain. I feel scattered.
But I'm not behind—I'm just building.

And when it gets dark, I don't panic—
I remember the spark I carried as a kid,
Still flickering. Still mine.
Still enough to keep going.

And maybe I'm not off-track.
Maybe this is the track.
Off-track—on purpose.

Seasons

By: Alisha Fatima, Class VIII B

The leaves said, "It's spring, and here we are,
Opening and reaching on every tree."

The leaves said, "It is summer;
Each bird has a nest.
We make the shadows
Where they can rest."

The leaves said, "It's autumn;
Aren't we all glad?"
Scarlet and golden,
And russet were they.

The leaves said, "It's winter,"
And silently fell away.

Time Management

By: Ankita Patel, Class VIII B

Time management means managing our available time wisely. Time is precious and must not be wasted. A lot can be accomplished in a short time if we plan properly.

Time management is especially important for students as they have to study multiple subjects within a limited time frame. It is a skill that can make life beautiful and help us achieve success—if practiced daily.



My First Day of School

By: Daniya Parveen, Class VII A

The first day of school is always a mix of excitement and nervousness. As I stepped into the school premises, I felt anticipation. I had heard so much about the school from seniors and was eager to experience it myself.

My teacher greeted me with a warm smile. Everyone in class seemed friendly. Throughout the day, I got to know my classmates, participated in fun activities, and felt more at ease.

At first, I cried because I missed my family. But from the second day onward, I was excited to return to school. I made a new best friend, and together, we joined in every activity. These memories are precious, and I will cherish my first day forever.

Happiness

By: Aneeka Satnami, Class VII A

School is not only for studies; it's also about joy. It's a beautiful and important part of our lives, though we may not realize it at the time. Despite all the homework, we always found ways to enjoy ourselves—with friends, pranks, games, and laughter.

Why do people become so serious later in life? We must carry happiness forward. Life is short—let's live every moment with fun and joy!



A Foundation for the Future

By: Drishti Dwivedi, Class VII A

School life is more than just a chapter in our lives. It is the foundation on which we build our future. It provides us with knowledge, skills, and experiences that prepare us for life's challenges.

It's where we discover our passions, develop our strengths, and create memories that last forever. Let's cherish these moments and appreciate the lifelong lessons we learn.

Nature

By: Asmita, Class VII B

Nature is mighty,
Nature is strong,
Nature is beauty,
Nature is song.
Nature is green,
Nature is blue,
Nature is me,
Nature is you.

I Like July

By: Iram Parveen, Class VII A

I like July—want to know why?
It makes me think of swimming pools,
Of bubbly drinks and leafy trees,
Miles away from stuffy school.

July calls to my mind blue skies,
Shadows deep and waters clear.
No need to hurry, no need to rush—
Summer is here, and joy is near!

God Can See

By: Rishika Chauhan, Class III A

God can see things that you can't.
It may not make sense now,
But one day, when His whole plan unfolds—
You'll understand what He was up to.

The Best Bee

By: Alisha Mansari, Class V A

Long ago, there lived a bee named Billy. He was cute, brave, and wise. One sunny day, a beehive caught fire. Billy didn't run—he helped save the other bees. That's what made him the best bee.

Books

By: Naira Jangde, Class V A

Books are man's best friends—

Treasures of knowledge that never end.

They teach us truth and creativity,

And polish our minds with clarity.

We read them for pleasure,

but their value is beyond measure.



The Happiest Days of Your Life?

By: Beerendra Tiwari, Class XII A (Science)

School days should be the happiest time in a young person's life. But what turns this joyful phase into a misery? In my opinion, one word answers this: bullying.

Unfortunately, bullying is quite common in the schools where I live. It can affect any student—regardless of age or gender. A friend of mine had a terrible experience last year when an older boy kept calling him names and posting hurtful messages about him on Facebook. Naturally, this deeply affected my friend's self-confidence. On some days, he didn't want to come to school at all.

What can be done to stop bullying? Personally, I believe teachers must stay alert and respond strictly to any bullying incidents. They could also hold classroom discussions about bullying to help students understand the emotional damage it causes. As for students, supporting their bullied classmates and informing a teacher can make a big difference.

Bullying is a nightmare—but it's not unstoppable. Together, we can create schools where every child feels safe, respected, and happy.



Lack of Ethics in Today's World

By: Sandhya Sharma XI A

In recent years, the world has seen a troubling trend—a decline in ethics. From politics and business to social media, unethical behavior is becoming increasingly common. This erosion of moral values affects individuals, communities, and society as a whole.

The Root of the Problem

Several factors contribute to this issue:

Greed for power, fame, and wealth has led people to prioritize self-interest over ethical thinking.

Social media has become a platform where people express opinions and behaviors they would never show in real life.

Restoring Ethics

To restore ethics, individuals, organizations, and governments must work together. Here are a few ways:

Education and Awareness: Teach the importance of ethics and the consequences of unethical behavior.

Leadership by Example: Leaders must model ethical behavior and promote a culture of integrity.

✓*Conclusion*

The lack of ethics in today's world is a growing problem. It demands immediate attention. By understanding its roots and working together, we can build a culture that values integrity, responsibility, and respect. Our future depends on it.

Silent Strength

By: Shivansh Singh Rathour, Class XI A

You don't need words to let me know—
Your quiet strength helps me grow.

In every glance, in every smile,
You make life easier all the while.

With gentle hands, you guide my way,
And in your eyes, I see the day.
No need for praise, no need for fame,
In your silence, I find my name.

Through every storm, you stand so tall,
No need to ask—you give your all.

A steady heart, a steady hand,
You are my rock, my safest land.
So here's my thanks—though small it seems—
For all the love behind your dreams.

Life

By: Samridhi Gupta, Class XI A

Struggle today for a better tomorrow.
Hard work pays—you should always know.
No matter how tough the climb may seem,
Keep moving, keep fighting, chasing your dream.

Perseverance and patience go a long way,
Even the longest nights give way to day.

Education

By: Kashifa, Class XI A

Education is an important part of life. We are blessed that God has given us the opportunity to learn. Education not only gives us knowledge, but also builds our personality and makes us sharper in society. It plays a key role in the development of a nation.

Education is the key to success.
It is one of the most powerful tools for women's empowerment. Education gives freedom and helps fulfill dreams—but it requires hard work, dedication, and support.

Sadly, many people, especially in rural areas, still struggle to access education. The government should provide free education and promote its importance for every citizen. The road may be tough and difficult, but the achievement is great and worth it.

Overcoming Common Challenges: Solution For A Better School Experience

By: Shruti Verma, Class XI A

School life isn't always easy. We face challenges like time management, stress, and peer pressure. Here's how to overcome them:

1. Time Management

Balancing studies, extra activities, and personal life is tough—I've been there. In Class 10, I often panicked about pending work.
Solution: Prioritize tasks, make a schedule, and set realistic goals. Trust me, this simple trick can change your entire routine.

2. Stress & Anxiety

Worrying about exams or expectations can be overwhelming.

Solution: Practice deep breathing, meditation, talk to a close friend or family member, and maintain a healthy lifestyle.

3. Peer Pressure

It's hard to resist negative influence sometimes.

Solution: Learn to say "no," choose your friends wisely, and trust your values.

Face your challenges with confidence and smart strategies. You'll not just survive school—you'll thrive.

Student Psychology: A Guide to the Student Mind

By: B. UshaLakshmi, Class X A

School life can be hard. Each day brings new challenges—tough exams, homework pressure, and worries about the future. Sometimes we feel like giving up. But what if we told you that a small shift in mindset could unlock your real potential?

1.Think Positive

When we think positively, we feel motivated to try again. Every small success matters. So instead of focusing on what went wrong, let's celebrate what we did right.

2. Don't Forget Yourself

We're told to study hard and score high—but we rarely talk about self-care. It's not laziness; it's smart. Taking short breaks, listening to music, reading for fun, and getting enough sleep helps our brain and mood.

3. A Final Thought

Success doesn't come overnight. It begins with small, consistent steps: thinking positively, caring for ourselves, and believing we can improve.

Let's support each other and grow together—because when we believe in ourselves, there's no limit to what we can achieve.



Lanterns in the Dark

By: Saanvi Pandey, Class XI A

No one is truly immature—just different in how they break,
How they pick up their fallen pieces,
How they whisper to their wounds at night.

Everyone has storms stitched beneath their smiles.
Each sings a song made of silence,
Dancing to the rhythm of a heart we cannot hear.

What we call foolishness might be the softest form of courage.
What we label as confusion might be their only source of light.

They are not lost—
Only elsewhere.
Wandering alone with paths lit by their own kind of fire.

We are all storytellers,
And the stories we tell shape the way we survive.
No one walks without reason.
No one cries without a cause.

So before you judge a soul—
Remember:
We are all just carrying lanterns in the dark,
Each one flickering with its own truth—
A truth we may never fully understand.



Success and Happiness

By: Kiran Dahiya, Class XI A

In a village lived a girl named Saira with her mother, who ran a fruit shop. One day, Saira asked her mother,
"Mom, how can someone achieve both *success and happiness****?"***

Her mother replied, "First, complete one task for me, and then I'll tell you."

She asked Saira to go to the farthest fruit shop in the village, buy a *big watermelon****, place it on her head, and bring it home carefully without dropping it.***

Saira did as told. She almost lost her balance on the way but regained it and finally reached home safely.
Smiling, she told her mother, "I did it! Now tell me the answer."

Her mother said, "That's your answer. Life is just like this journey. You have to carry your responsibilities with care. You'll face difficulties, but if you stay balanced and strong, you'll reach your goal. And in the end, you'll find both *success and happiness****."***

The Heart of School

By: Aadhya Shukla, Class XI B

A place to grow, to dream, to say—
Where questions bloom and answers play.
With every page, with every rule,
We build ourselves inside this school.

In every voice, in every cheer,
A future bright is drawing near.
Not just a building, brick and floor—
It's where we learn… and so much more.

Teachers Who Changed My Life

By: Satyam Singh, Class ---XI A

Behind every successful student is a team of silent mentors—teachers who go beyond textbooks and truly change lives. I've been lucky to have not just one but many such teachers.

My Science Teacher taught us how to learn deeply—not just memorize. Her lessons extended beyond the classroom. She inspired us to ask questions, experiment, and express ourselves. Thanks to her, I participated in science exhibitions and even represented my school at national-level events.

My Math Teacher shaped not just my academics, but also my character. He taught me that every problem—mathematical or in life—has a solution, if we stay calm and focused. He showed us that life, like math, requires patience and practice.

My English Teacher was the one who gave us a voice. When I felt like giving up, he encouraged us to keep going. He supported us during interschool competitions like RSM, where we eventually won. That victory gave me the confidence I carry to this day.

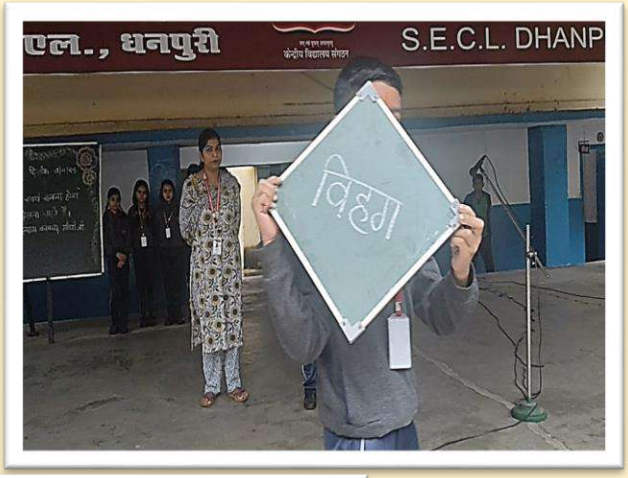
✓Conclusion

Some people say a teacher's job ends at the blackboard. But real teachers leave marks on the heart. They taught me what to think—but more importantly, how to think.

To all my teachers—thank you for believing in me before I believed in myself.

ASSEMBLY


केन्द्रीय विद्यालय
एस.ई.सी.एल., धनपुरी
KENDRIYA VIDYALAYA
S.E.C.L. DHANPURI


एल., धनपुरी
S.E.C.L. DHANP
विहग


KV. CODE - 1554
CBSE AFFILIATION NO. 1000026
KENDRIYA V
S.E.C.L. DH





BALVATIKA-III ACTIVITIES



PRIMARY ACTIVITIES













जिस तरह बूंद बूंद से घड़ा भरता है, उसी तरह रोज थोड़ा थोड़ा पढ़ने से ही सफलता प्राप्त होती है!!

TARUNOTSAV 2025











BHARTIYA BHASHA SANGAM 2025













INTERNATIONAL YOGA DAY 2025







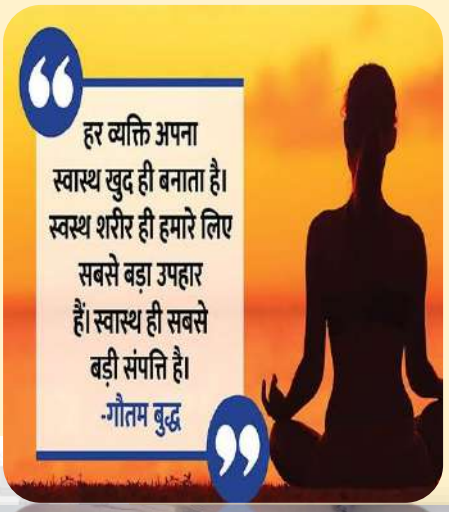






HEALTH CHECK-UP 2025





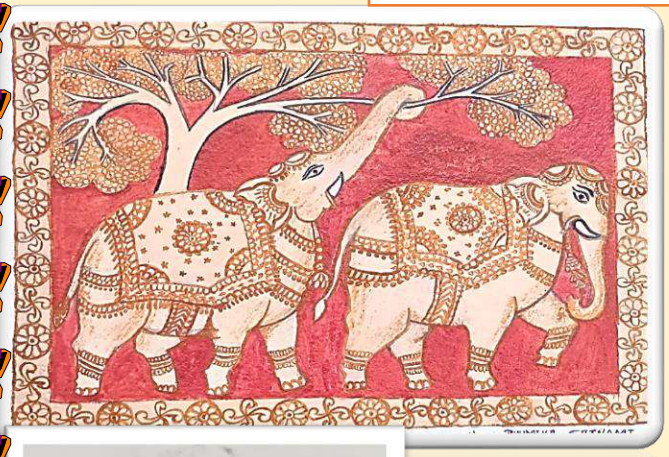




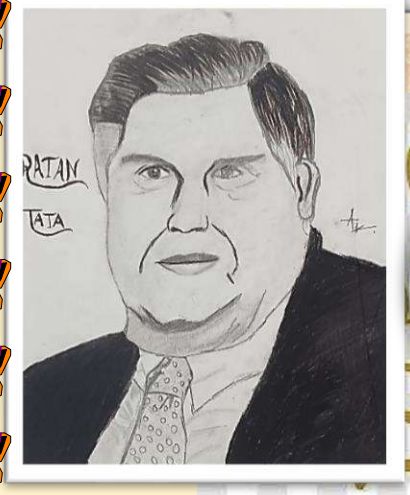




ART AND CRAFT



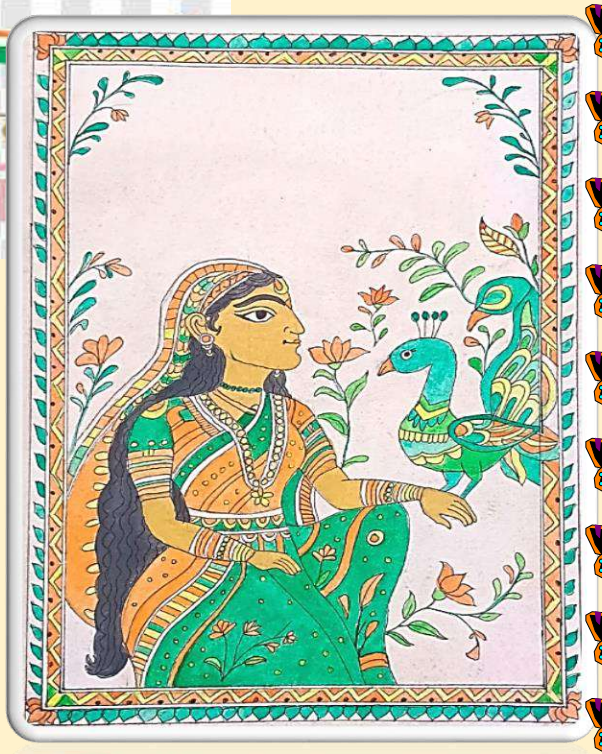












YOGA ACTIVITIES











VEER GATHA 5.0











सफलता के लिए सकारात्मक विचार

1. “सपनों से नहीं, संघर्षों से मंज़िल मिलती है।”
2. “कठिन समय आपको मजबूत बनाता है।”
3. “हार मत मानो – बड़े बदलाव छोटे कदमों से शुरू होते हैं।”
4. “हर असफलता एक नई शुरुआत का रास्ता है।”
5. “जो गिरकर उठता है, वही असली विजेता होता है।”
6. “तू चलता रह, रास्ते बनते जाएंगे।”
7. “कभी-कभी चुप रहना सबसे बड़ा उत्तर होता है।”
8. “हर सुबह एक और अवसर है खुद को बेहतर बनाने का।”
9. “ताकत शरीर से नहीं, विश्वास से आती है।”
10. “अपने अंदर के युद्ध को जीत लो – बाहर की दुनिया आसान लगने लगेगी।”


પધારો!